

हारी-हारी रे कन्हैया- लबा खें यारी
मैं तो हारी रे- तोसें हारी रे

नैना लगे तेरे- बड़े ही रसीले ॥२॥

आँखे लगे रे- तेरी रतनारी

मैं तो हारी रे---हारी-हारी

होंठ गुलाबी- फूल की पाखियाँ ॥२॥

हैं मुस्कान- बड़ी रे प्यारी

मैं तो हारी रे---हारी-हारी---

जा सौतन भई तेरी मुरलिया ॥२॥

हार गई रे- सारी बृजनारी

मैं तो हारी रे---हारी-हारी---

घट-पनघट पे- धूम मचाये ॥२॥

रौ- रई हैं सबरी रे- पनहारी

मैं तो हारी रे---हारी-हारी---

दोड़ो "श्रीबाबाश्री" तोरे पैयाँ लागूँ ॥२॥

आज भई रे- मोहे अँधियारी

मैं तो हारी रे-----

हारी-हारी रे-----